कक्षा-8

विषय-हिन्दी

पाठ-1 हक दो (गृहकार्य)

नोट–यह कार्य अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।

प्र1.निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:-

क) कवि फूल के लिए किस से प्यार करने के हक की माँग कर रहे हैं?

उत्तर- कवि फूल के लिए हवा से प्यार करने के हक की माँग कर रहे हैं।

ख))गंध क्या-क्या कर सकता?

उत्तर- गंध,उड,बह,गिर, झर या मिट सकता है।

ग)बादल किसमें सुरधुन (इंद्रधनुष) सजाएँ?

उत्तर- बादल प्रकृति के रेशे-रेशे में अर्थात् कण-कण में सुर धनु सजाएँ।

घ) लहरें कहाँ-कहाँ विचरण करें?

उत्तर- लहरें कभी पूर्व से आने वाली हवा , कभी पश्चिम से आने वाली हवा के साथ कभी इस तट पर कभी उस तट पर विचरण करें।

प्र 2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:-

क)फूल नए फूलों के लिए क्या करने के लिए तत्पर हैं?

उत्तर- फूल नए फूलों के लिए अपना जीवन जीते हैं, सिहरते हैं,कांपते हैं अर्थात् मुश्किलों का सामना करने के लिए तैयार रहते हैं, मर मिटने के लिए तैयार रहते हैं, जिससे नए फूलों को जीवन मिले।

ख) गंध किसके लिए मर मिटने को तैयार हैं?

उत्तर-गंध नई गंध के लिए मर मिटने को तैयार है क्योंकि जब पुरानी गंध मिटेगी तभी नई गंध जन्म लेगी।

ग) कविता में बादल को क्या हक दिए जाने की बात की गई है?

उत्तर- कविता में बादलों को ये हक दिए जाने की बात की गई है-

1) वह नन्हे पौधों को प्यार दे दुलार दे।
2) प्रकृति के कण-कण में इंद्रधनुष के सामान विविध रंग भर दे।
3) कहीं भी गिरे बरसे और अचानक कहीं भी पहुँच जाए।

घ) कवि मिट्टी की हार क्यों नहीं चाहता है? यदि हारे तो नए मानव को क्या उपहार दें?

उत्तर- कवि मिट्टी की हार नहीं चाहते हैं क्योंकि मिट्टी तो प्रकृति की शान है। बिना मिट्टी के धरती पर किसी

चीज का कोई अस्तित्व संभव नहीं है और यदि मिट्टी हारे तो कवि चाहते हैं कि वह नए मानव को यह उपहार दे कि धरती पर घास के रूप में उसकी विजय पताका लहराए अर्थात् यह धरती हमेशा हरी-भरी होकर लहराती रहे जिससे हर मानव खुश हो।

प्र 3 निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द कविता में से छाँटकर लिखिए:-

(i)पुष्प- फूल

(ii) वायु- हवा

(iii) मिट्टी- माटी

(iv) मनुष्य- मानव

(v) ध्वज- पताका

प्र4 निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए-

(i)रंग- र्+अ+ङ्+ग्+अ

(ii) काँपे- क+आँ+प्+ए(iii) छाँह- छ+आँ+ह्+अ

(iv)बाँह- ब्+आँ+ह्+अ(v)गाँव- ग्+आँ+व्+अ

(vi)संग- स+अ+ङ्+ग्+अ